चीनी का मूल्य निर्धारित हो उसमें छोआ और बगास का, जो शूगर का बाय-प्रोडक्ट है और जिसका आज की दुनिया में बहुत ज्यादा महत्व हो गया है, उसको इन्क्लूड करके चीनी का दाम घटाया जा सकता है ? क्या सरकार इन दोनों बिंदुओं पर विचार करेगी और जवाब देगी ?

An HON. MEMBER: He will look into it.

SHRI TARUN GOGOI: The cost of production in Bihar is high, the yield is also lower. That is why, it is a fact, many of these factories have become sick and they have not been able to pay to the sugarcane growers. That is a fact and that is why we are going to monitor the whole thing to see how production can be speeded up. It is also mainly the responsibility of the State Goversment to see how production of sugarcane can be increased in Bihar.

SHRI CHATURANAN MISHRA: My question was quite clear. what are the arrears? Why don't you tell us the period and the arrears? Now your Government is depending upon the rule of the marke, which is to make immediate payment. So make payment immediately, ensure it.

SHRI TARUN GAGOI: There are large arrears of cane price in Bihar. It was 34.9 per cent of cane dues as on 30-5-1991. It is the State Government which has has to ensure price to the cane growers.

श्री रजनी रंजन साहू : सभापति महोदय, बिहार सरकार के वे एक पार्टनर हैं तो क्या वे एनश्योर करेंगे कि बकाया का भुगतान कब करेंगे, न कि केन्द्र सरकार से पूछेंगे कि कब पेमेंट करेंगे । आपके समर्थन की सरकार जो बिहार में चल रही है, उनसे पूछ कर बताइए कि कब पेमेंट कर पायेंगे ?

श्री चतुरानन मिश्र : सभापति महोदय, मेरे प्रश्न का दूसरा हिस्सा जो है.... (व्यवधान)

श्री सभापति : वह बगास वाला नहीं दिया है ।

श्री चतुरानन मिश्र : मोलाइसेस और बगास का, उसकी कीमत का उचित मूल्य चीनी का मूल्य निर्धारण में लिया जाए उसके बारे में मंत्री महोदय ने नहीं कहा वही तो मुख्य विषय है और तभी चीनी का दाम घट सकता है वरना नहीं घट सकता ?

MR. CHAIRMAN: He wants to know whether, while fixing the price, you will take note of the byproducts, molasses and bygasse also.

SHRI TARUN GOGOI: Byproduct, I believe that it is taken into account by the Government while fixing the levy price.

MR. CHAIRMAN: Question No. 3.

SHRI K. G. MAHESWARAPP: I want to ask one question. You had promised. This is connected with this industry.

MR. CHAIRMAN: No, I did not promise. This is my right. (*Interruptions*) I want to make it clear that it is the right of the Chairman to decide.

SHRI K. G. MAHESWARAPPA: No, Sir, I want to put the question.

MR. CHAIRMAN: No, I am not permitting. Yes, Question No. 3.

SHRI K. G. MAHESWARAPPA: This amounts to discrimination.

MR. CHAIRMAN: No. Question No. 3.

मानसून के आने में विलम्ब होने से फसलों को नुकसान

*3. **श्री शांति त्यागी :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :

(क) क्या सरकार को इस तथ्य की जानकारी है कि मानसून के आने में विलम्ब होने से उत्तरी-पश्चिमी भारत में

धारे की फसल सूखने लगी है और पानी की कमी के कारण गन्ने की फसल को कीड़ा लग रहा है ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार ने सूखे जैसी इस स्थिति का सामना करने के लिए क्या उपाय किये हैं या करने का विचार रखती है ?

कृषि मंत्री (श्री बलराम जाखड़) : (क) और (ख) सरकार मानसून के रुख पर कड़ी नजर रख रही है । चारा फसलों के सूखने की कोई विशिष्ट सूचना नहीं मिली है । इसी प्रकार, गन्ने की फसल पर कीट की कोई प्रमुख समस्या देखने में नहीं आयी है । उत्तर-पश्चिमी भारत में राज्य सरकारें समुचित बिजली और डीजल की आपूर्ति करने के प्रबंध कर रही हैं ताकि किसान अपनी फसलों की सिंचाई कर सकें ।

श्री शांति त्यागी : सभापति जी, देश के प्रमुख किसान और किसान नेता हमारे कृषि मंत्री बने हैं, हमें इस बात की प्रसन्नता है और मैं उन्हें बधाई देता हूं, लेकिन मेरे सवाल का जो जवाब दिया गया है, उसमें अन्याय किया गया है, न्याय नहीं किया गया है । अध्यक्ष जी, इस बीच मैं कई जगहों में गया हूं और मैंने गन्ने की फसल को सूखते हुए और कीड़ा लगते हुए देखा है । अध्यक्ष जी, वहां बिजली की कमी है और उत्तर प्रदेश की सरकार हाथ-पर-हाथ धरे बैठी है । वहां किसानों को 4–5 घंटे भी बिजली नसीब नहीं हो रही है । अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि मैं अपनी आंखों देखी बात पर यकीन करूं या मंत्री जी की रिपोर्ट पर करूं ? मैं पूछना चाहूंगा कि मैंने मूल प्रश्न में जो मुद्दे उठाए हैं, क्या मंत्री जी उनका सर्वे कराएंगे और दोबारा रिपोर्ट लाकर हाउस को बताएंगे कि इनकी पोजीसन क्या है ? इसी में मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि गन्ने की फसल में जो कीड़ा लगा हुआ है या लग रहा है, उसकी रोकथाम के लिए क्या मंत्री जी हवाई स्प्रे करने की कोई योजना बनाएंगे ? इन दो बातों का मंत्री जी जवाब दें ।

श्री बलराम जाखड़ : माननीय सदस्य का प्रश्न कुछ हद तक सही हो सकता है क्योंकि कभी जहां पानी का बंदोबस्त नहीं हुआ या बिजली या डीजल का बंदोबस्त नहीं हुआ, वहां आपने कमी देखी होगी क्योंकि हर जगह एक जैसी बात नहीं हो सकती । हमने चेष्टा की है कि किसी प्रकार से भी सारी स्टेट्स गवर्नमेंट्स यह बंदोबस्त करें कि पावर सप्लाई उपलब्ध हो । अब तक बरसात नहीं आई थी, मेरा ख्याल है कि वह भी आ जाएगी और जहां-जहां पावर की कमी हो वहां पावर सप्लाई की जाए । इन बातों को देखते हुए मैं चेष्टा करूंगा कि जहां भी इस प्रकार का संकट है, उत्तर प्रदेश की सरकार है या दूसरी सरकारें हैं, हम उनको फिर चेतावनी देंगे ।

दूसरे कीड़े की बात आपने कही, उसके लिए मैं पहले ही विचार कर रहा हूं कि काटन क्रॉप को, कपास को और गन्ने को भी किसी प्रकार से सुरक्षित किया जाए । मैंने डिपार्टमेंट को निर्देश दिया है कि हैलीकॉप्टर से या हवाई जहाजों से स्प्रे करने का पूरा अन्वेषण किया जाए । इनको देखा जाए और हम इस प्रकार की व्यवस्था करें कि इन्हें सुरक्षित कर सकें ।

श्री शांति त्यागी : सभापति जी, मैं यह कहना चाहता हूं कि आप बिजली के केन्द्रीय मंत्री और राज्यों के भी मंत्रियों का अविलंब सम्मेलन बुलाएं और जहां-जहां भी सूखा पड़ रहा है वहां किसानों को कम-से-कम 12 घंटे बिजली दें । यह सम्मेलन अविलम्ब बुला लें । क्या मंत्रीजी सम्मेलन बुलाएंगे ?

श्री बलराम जाखड़ : सभापति जी, मैं उनसे ज्यादा चिंतित हूं और मेरा मन तो यह है कि मैं 24 घंटे बिजली दे सकूं, लेकिन बिजली की कमी की पूर्ति करने और आवश्यकता की आपूर्ति के लिए बिजली के साधनों की, उसके लिए हम पूर्णरूपेण चेष्टा करेंगे । मैं सरकारों को भी लिखूंगा कि वह देखे कि किस तरीके से किसानों को कम-से-कम 12 घंटे बिजली की सप्लाई मिल सके ।

SHRI M. A. BABY: Sir, there appears to be a very serious drought-like situation in many parts of the country and the Government has to take appropriate steps. At the same time, with your permission, Sir, I would like also to ask, in view of the presence of the great sitar maestro, Pandit Ravi Shankar, here, whether delineation of *ragas* like *Megh Malhar* will help deal with the situation. Part (b) of my question is related to the delay of the monsoon. While we have a drought-like situation in many parts of the country, at the same time, in States like Kerala, Assam and some others, we have heavy damages due to a heavy monsoon. I would like to know whether the Department of Agriculture is taking appropriate steps to extend maximum assistance especially in relation to Kerala from where a request for relief is pending there in the Department and what the response of the Department thereto is.

MR. CHAIRMAN: Will you set any *raga* also for stopping rain?

SHRI BALRAM JAKHAR: Mr. Chairman, Sir, this is a very commendable and, I think, enjoyable suggestion. Let us have some *rag* and specially *Rag Malhar*. No problem in that. We can just ask the honourable.....

MR. CHAIRMAN: You don't want to have it right now?

SHRI BALRAM JAKHAR: Why not? I think it will add, it is not going to detract anything very much. We might enjoy it.

Secondly, I will ask for information. I have not got any information so far from the Kerala Government. If there is any, I will ask them.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीय सभापति महोदय, एक कहावत है—"का वर्षा जब कृषि सुखानी"। मेरा प्रश्न यह है कि वर्षा देर से होने से और पानी के अभाव में कृषक सिंचाई नहीं कर पाए हैं और उनकी संभावित फसल का नुकसान ऐसे ही हो चुका है, तो किसानों को हुई इस क्षति की पूर्ति के लिए सरकार ने क्या-क्या कदम उठाए हैं, क्या-क्या योजनाएं बनाई है और क्या उनको मुआवजा देने के सिलसिले मे भी कोई योजना बनाई जा रही है ?

श्री बलराम जाखड़ : सर, जैसे जैसे हालात होते हैं, उनके हिसाब से कार्यवाही तो करते हैं, जो गवर्नमेंट के वश की बात है, जैसे बीज का है, अगर देरी हो गई है तो दुबारा बीज के लिए भी बंदोबस्त किया हुआ है और हर प्रकार से जितना भी कर सकते हैं। स्टेट गवर्नमेंट्स को भी लिखा हुआ है जो साधन उनका यहा से चाहिए उनको उपलब्ध कराने के लिए भी हम प्रयत्नशील हैं।

श्री अजीत जोगी : सभापति महोदय, मैं मध्य प्रदेश के संदर्भ में जानना चाहूंगा आज वर्षा और मानसून न आने की स्थिति है और इस कारण मध्य प्रदेश बहुत प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ है क्या इस संबंध में कोई रिपोर्ट मंत्री महोदय को मध्यप्रदेश शासन की ओर से प्राप्त हुई है ? फिर, मैं यह भी जानना चाहूंगा कि मध्य प्रदेश में जो असिंचित इलाके हैं जहां किसानों ने धान बो दीए, जो अब सूख गई है, दुबारा धान बोने के लिय किसानों के पास बीज उपलब्ध नहीं है। यदि अब उन असिंचित इलाकों में किसान फिर से फसल बोना चाहेंगे तो क्या धान के बीज उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र शासन की तरफ से कोई कार्यवाही की जाएगी ?

श्री बलराम जाखड़ : सभापति महोदय, मध्य प्रदेश शासन की ओर से कोई समाचार अभी प्राप्त नहीं हुआ है, लेकिन मैं माननीय सदस्य को यह आश्वासन देना चाहता हूं कि बीज की कमी नहीं होने दी जाएगी और जैसा भी उनको चाहिए होगा, हम उनको उपलब्ध कराने की चेष्टा करेंगे।

SHRI VIREN J. SHAH: Sir, one of the major problems of farming in India is uneven monsoon. The timing

of the precipitation has been beyond our control. Would the Government consider making greater use of the artificial precipitation measures which have been proved? As you may be aware, the scientists in Gujarat have succeeded in this. I am told that in Maharashtra we have very qualified people. Would the Government consider about it so that we can solve the drinking water shortage problem in several parts of western India?

Sir, in the context of fodder, would a sub-technology mission on fodder only be considered as a part of the Operation Flood Scheme? If that is considered, after some time from now, next year or a year after that we can benefit from it. Would the Government kindly consider this one?

SHRI BALRAM JAKHAR: The suggestion is commendable.

Construction of New Railway Lines/ Conversion of Railway Lines in Bihar

*4. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to construct new Railway lines/conversion of metre gauge into broad-gauge in Bihar in the near future;

(b) if so, details thereof;

(c) whether Government have received any request for constructing new railway lines or conversion of existing narrow gauge lines into broad gauge, from the State Govt. of Bihar;

(d) if so, the details thereof; *vis-a-vis* acceptance by Government and

(e) by when Government propose to implement the same?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) and (b) A proposal for conversion of Muzaffarpur - Narkatiaganj - Bagaha-Gorakhpur and Sagauli- Raxaul MG line into BG has been sent to the Planning Commission for their approval.

(c) to (e) A large number of demands were discussed between the State Government and the Railway Ministry from time to time. In an inter-Ministerial Meeting in July, 89, the State Government put forward 22 projects:—

(i) Dehri-on-Sone-Akhapur-Pipradih-with extention to Jadunathpur and Bhavnathpur (98.5 KM.)

(ii) Muzaffarpur - Narkatiaganj *via* Bettian gauge conversion (155 km).

Regarding item (i), the Bihar Government commmissioned RITES for preparing a report on this line. The report has since been submitted to the Bihar Government for consideration.

Regarding item (ii), the position has been furnished in para (a) above.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा, यह जो मुजफ्फरपुर - नरकटियागंज - बगहा गोरखपुर और सगौली रक्सौल मीटर लाइन को बड़ी लाइन के लिए प्रस्ताव योजना-आयोग को दिया गया है, यह कब दिया गया है और उसके ऊपर अभी तक बिहार सरकार के साथ क्या कोई मीटिंग की गई है या नहीं की गई है ? अगर मीटिंग की गई है तो उसमें बिहार सरकार का रवैया क्या है ? प्रश्न "क" और "ख" प्रश्न मेरा यह है, इन्होंने कहा है कि बिहार सरकार ने राइट्स को इस लाइन के बारे में रिपोर्ट तैयार करने का कार्य सौंपा था—बेतिया आमान परिवर्तन के रास्ते मुजफ्फरपुर नरकटियागंज (155 किलोमीटर) और यह रिपोर्ट बिहार सरकार को प्रस्तुत कर दी गई है, तो यह कार्य राइट्स को कब सौंपा गया था और उसके बाद केन्द्रीय रेल मंत्रालय ने बिहार सरकार के साथ क्या कोई मीटिंग की है ? अगर मीटिंग की है तो उसके क्या हालात हैं, बताने की कृपा करेंगे ।